खतरा जर्जर हुआ शास्त्री ब्रिज, शहपुरा हादसे से सबक ले प्रशासन

शास्त्री ब्रिज के कांपते पैर, फ्लाईओवर कागजों में कैद

जबलपुर, नवभारत। गत दिवस भोपाल हाईवे पर शहपुरा स्थित ओवरब्रिज की रिटेनिंग वॉल का क्षतिग्रस्त होकर गिरना सिर्फ ट्रेलर था इसके अलावा शहर में कई ओवरब्रिज जर्जर हो गए हैं और बड़े खतरे का संकेत दे रहे हैं। इसके बाद भी निगम और पीडब्लूडी बस खानापूर्ति करने में लगी है।

बात करें अगर शहर के पश्चिमी क्षेत्र को पूर्व और मध्य से जोड़ने वाले शास्त्री ब्रिज अब जर्जर हो चुका है। इस भयानक यातायात का दबाव झेलने के लिए एक और साथी की जरूरत है जो पांच वर्षों से कागजों में कैद है।

कागजों में कैद एक प्रोजेक्ट

बता दे कि शास्त्री ब्रिज के बाजू में नए ब्रिज बनाने का वादा आज से लगभग पांच साल पहले वर्ष 2021 में किया गया था। इतना ही नहीं प्रस्तावित नए फ्लाईओवर का डीपीआर भी तैयार कर लिया गाय था। परंतु अब यह फ्लाइओवर जिम्मेदारों के जहन से उतर चुका है और हाल फिलहाल इसके निर्माण को लेकर दूर दूर तक कोई राह दिखाई नहीं दे रही है। अब चिंताजनक हालात ये हैं कि शहर के कई ओवरब्रिज या ब्रिज की तो सामान्य जांच भी नहीं की जा रही है। वही पुराने पुलों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इन संरचनाओं का सेफ्टी ऑडिट जरूरी है।

ब्रिज के इतिहास पर एक नज़र

शहर के सबसे पुराने ब्रिजो में से एक शास्त्री ब्रिज का निर्माण सन् 62 में शुरू हुआ और 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इसका लोकार्पण किया और उन्हीं के नाम पर इस ब्रिज का नाम शास्त्री ब्रिज रखा गया था। आज यह ब्रिज तकरीबन 62 साल पुराना हो चला है और इतने वक्त में ब्रिज की स्थिति जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह से ब्रिज का क्रंकीट उखड़ने लगा है। कायदे से इसकी उम्र लगभग पूरी हो चुकी है। जानकारों की माने तो रेलवे की ओर से पहले ही जमीन सेतु निर्माण के पास है इसलिए अलग से जमीन संबंधी स्वीकृति की जरूरत नहीं होती।

दबाव कम करना बड़ी चुनौती

आज से चार पांच पहले लोक निर्माण विभाग के अनुसार फ्लाईओवर की लंबाई 1700 मीटर तय की गई थी और इसकी चौड़ाई लगभग 20 मीटर होनी थी। और सिर्फ 38 मीटर का हिस्सा रेलवे क्षेत्र से गुजरना था। यह फ्लाईओवर पुराने बस स्टैंड के आगे पेट्रोल पंप से प्रारंभ होता जो मेडिकल रोड पर आकर समाप्त होता। इसका फायदा बस स्टैंड से महानद्दा मेडिकल की ओर जाने वाले वाहनो को मिलता जो सीधे फ्लाईओवर के जरिए बाहर निकल जाते।

फैक्ट फाइल

- 2021 में दिए गए थे आंकड़े
- नए ब्रिज की 1700 मीटर होती लंबाई और 20 मीटर होती चौड़ाई
- लगभग 145 करोड़ निर्माण लागत
- 38 मीटर का हिस्सा रेलवे के क्षेत्र में

निगम का पक्ष

वही नगर निगम की ओर से जिम्मेदारों का कहना है कि शहर के सभी बड़े छोटे ब्रिजो के मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा है। बात की जाए अगर कछपुरा ब्रिज और शास्त्री पुल की तो इसमें अक्टूबर माह में ही डामरीकरण का कार्य कर दिया गया था और अब इन ब्रिजों पर पेंटिंग, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य सौंदर्यकरण का कार्य जारी है।

इनका कहना है

नगर निगम द्वारा समय-समय पर शहर में स्थित ओवर ब्रिजो के मेंटेनेंस का कार्य किया जाता है। कछपुरा ब्रिज एवं शास्त्री पुल पर भी पेंटिंग एवं अन्य ब्यूटीफिकेशन के कार्य जारी है।

राम प्रकाश अहिरवार
आयुक्त, नगर निगम जबलपुर

सिहोरा बलवा कांड : आरोपी दंगाइयों को जमानत नहीं

जेएमएफसी कोर्ट ने जमानत आवेदन किये निरस्त

जबलपुर। सिहोरा आजाद चौक में विगत दिनों हुए बवाल व सामुदायिक हिंसा के मामले में अदालत ने आरोपियों की ओर से पेश किये जमानत आवेदन निरस्त कर दिये। उक्त आदेश सिहोरा जेएमएफसी न्यायालय ने जारी किये है।

अदालत के समक्ष शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिलावर धुर्वे एवं सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अजय दुबेने बताया कि 19 फरवरी 2026 की रात्रि करीब 9.30 बजे जय ज्योति समिति आजाद चौक सिहोरा में माताजी की आरती हो रही थी। आरती में फरियादी अंकेश गुप्ता एवं अंकेश गुप्ता के साथ आदर्श गुप्ता, रामजी गुप्ता, स्वयं गुप्ता, ऋतु बर्मन, बनवारी गुप्ता, अंकित गुप्ता, सक्षम गुप्ता, राहुल गुप्ता एवं अन्य लोग मौजूद थे। उसी दौरान मदीना मस्जिद आजाद चौक सिहोरा के अंदर एवं बाहर से बहुत सारी भीड़ आ गई। जिसमें आरोपी साकिर मकरानी, ताहिर मकरानी, आबिद राईन, आशिक बाबा, समीर खान, आसमानी भाईजान, फरदीन, शादाब, नौशाद, अब्दुल, इमरान शाह, जावेद राईन, ओवेद राईन, नाशीर अंसारी, अनवर राईन, राजा मकरानी, समीर मकरानी, छोटू अंसारी, अशरफ मकरानी, हप्पू मछली वाला, तनवीर राईन एक राय होकर आये और फरियादी एवं सभी लोगों को गालियां देते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे। जिन्हें आरती कर रहे अन्य लोगों द्वारा समझाया गया। जिसके बाद कुछ देर तक विवाद शांत रहा इसके बाद वहीं पर मोहम्मद तौसीर, सोहेल शाह, अकरम शाह, मोहम्मद सिन्दबाज एवं अन्य बहुत सारे लोग खतरनाक रूप से ईंट पत्थर लेकर आये और पहले आई भीड में शामिल हो गये। आरोप है कि इसके बाद पुन- सभी लोग एक राय होकर मंदिर के और सभी लोगों के ऊपर ईंट पत्थरों से हमला कर दिया। मंदिर के सामने की स्टील की रैलिंग तोड़ दी एवं देवी देवताओं का अपमान करने लगे। जिससे सभी लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। तोडफ़ोड़ से मंदिर में काफी नुकसान हुआ है। कुछ देर बाद पुलिस बल आ जाने से सभी आरोपी लोग मौके से भागने लगे तथा कुछ लोग मस्जिद के अंदर छिप गये। पुलिस ने उक्त मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को 20 फरवरी का न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध कराया है। जिस पर उक्त आरोपियों की ओर से जमानत पाने यह आवेदन पेश किये गये है। शासन की ओर से दलील दी गई कि आरोपीगण द्वारा एक वर्ग विशेष की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गयी एवं बहुत बड़ी मात्रा में पथराव किया। कुछ हिन्दू सामुदाय के लोग घायल हुये। यह आकस्मिक विवाद नहीं, बल्कि यह एक पूर्व नियोजित था।

जेल में बंद आरोपी की बिगड़ी तबीयत, मेडिकल में भर्ती

सिहोरा थाना अंतर्गत आजाद चौक में हिंसा मामले में जेल भेजे गए एक आरोपी बनवारी गुप्ता की तबीयत अचानक बिगड़ गई जिसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल रेफर कर दिया गया है जहां उसका इलाज जारी है। विदित हो कि हिंसा के बाद पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज की थीं, इसके साथ ही 61 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

बीमा क्लेम दिलाने के नाम पर 5 .44 लाख ठगे

हादसे में पैर गंवाने के बाद धोखाधड़ी का शिकार हुआ पीड़ित

जबलपुर। रांझी में एक दिव्यांग को हादसे में पैर गंवाने के बाद बीमा क्लेम दिलाने का झांसा देकर 5 लाख 44 हजार रूपए की चपत लगा दी गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

पुलिस ने बताया कि अनुप विहार, गौर तिलहरी निवासी 49 वर्षीय चैतन्य चोपड़ा चिकन की दुकान चलाता हैं, वर्ष 2025 में एक ट्रक दुर्घटना में उसने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे। अमित कुमार लंब ने गुमराह किया। अवीवा इंश्योरेंस कंपनी से 50 लाख का टर्म लाइफ इंश्योरेंस था, जो केवल मृत्यु पर लाभ देता था। इसके बावजूद अमित ने दावा किया कि वह विकलांगता पर भी क्लेम दिलवा देगा।

किश्त-दर-किश्त हड़पी रकम

क्लेम दिलाने के नाम पर आरोपी ने पीड़ित से 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की। झांसे में आकर चैतन्य ने अप्रैल 2025: 2.50 लाख रुपये नगद दिए। मई 2025 में 1.50 लाख रुपये नगद दिए। जुलाई 2025 में 1 लाख रुपये नगद और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 44,075 रुपये दिए। पीड़ित ने कुल 5,44,075 रुपये आरोपी को सौंप दिए। यह लेनदेन पीड़ित की दुकान और घर पर हुआ, जिसके गवाह उनके परिजन और दोस्त भी हैं।

वादे से मुकरा और घर छोड़कर भागा

जब क्लेम की राशि नहीं मिली, तो पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे। आरोपी ने 10 अगस्त 2025 तक पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन उसके बाद वह मोबाइल बंद कर फरार हो गया। परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह घर छोड़कर कहीं चला गया है।

घर में पथराव, परिवार को धमकाया

नवभारत, जबलपुर। माढोताल थाना अंतर्गत शारदा नगर में बदमाशों ने एक घर में पथराव कर परिवार को धमकाया। पुलिस ने रिपोर्ट पर तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है । पुलिस के मुताबिक शारदा नगर नर्मदा पब्लिक स्कूल के पास में रहने वाले ऋषि यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वे सुपरवाइजर हैं। उसे गोपी नामदेव ने पहले फोन कर अश्लील गालियां दीं। जब ऋषि ने इसका विरोध किया, तो कुछ देर बाद आरोपी अपने दो साथियों के साथ ऋषि के चुंगीनाका स्थित पुराने मकान पर पहुँच गया वहां आरोपियों ने जमकर पत्थरबाजी की और मकान के गेट पर लात मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

चकाजाम-प्रदर्शन से घंटों लगा जाम, अध्यक्ष समेत दो पर एफआईआर

एंबुलेंस, स्कूल बसें भी फंसीं, बीमार महिला को लेकर जा रहे युवक को प्रदर्शनकारियों ने रोका था

नवभारत, जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत ग्राम सिवनीटोला स्थित टोल प्लाजा पर कल हुए धरना-प्रदर्शन के कारण घंटों लगे जाम ने राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दीं थीं एम्बुलेंस, स्कूल बसें भी जाम में फंस गई थी। इस मामले में अब पुलिस ने रास्ता बाधित करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बहुजन चेतना विकास मोर्चा के अध्यक्ष समेत अन्य को आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के मुताबिक दुर्गेश यादव (24) ने बताया कि 24 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी बीमार मामी आशा यादव को सुखसागर मेडिकल अस्पताल से इलाज कराकर वापस मनेरी छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वह सिवनीटोला टोल प्लाजा पहुंचा, वहां बहुजन चेतना विकास मोर्चा के अध्यक्ष राधेश्याम मेहरा, जीतू तेकाम और उनके साथियों द्वारा राज्यमार्ग पर धरना दिया जा रहा था। प्रदर्शनकारियों ने बीच सड़क पर अपने वाहन अड़ाकर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया था। इस कारण चरगवां-तिलवारा रोड पर 2 से 3 घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। जाम में दुर्गेश की कार के अलावा स्कूली बसें और एंबुलेंस भी फंसी रहीं। पीड़ित ने बार-बार गुहार लगाई कि उसकी मामी की हालत गंभीर है, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने रास्ता नहीं खोला। घटना के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा बनाए गए मोबाइल वीडियो में राधेश्याम मेहरा और उनके साथी साफ तौर पर रास्ता रोकते नजर आ रहे हैं। तिलवारा पुलिस ने दुर्गेश यादव की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ आम रास्ता अवरुद्ध करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कर ली है।

युवती ने रादुविवि में लहराया हथियार, मचा हड़कंप

अफरा-तफरी के बीच पहुंची सिविल लाइन पुलिस

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के पास संदिग्ध अवस्था में हथियार लहराते हुए नजर आई। युवती की हरकतों से मौके पर अफरा-तफरी के साथ दहशत व्याप्त हो गई । मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी लेकिन युवती पुलिस को मौके पर मिली थी या नहीं इस पर देर रात तक रहस्य बना हुआ था।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार दोपहर एक युवती पहुंची इसके बाद वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के पास पहुंचने के बाद उसने अचानक बकानुमा हथियार निकाला और सीधे लहरा दिया । युवती ने किन परिस्थितियों में हथियार निकाला इसका फिलहाल पता नहीं चल सक है। बताया जाता है कि मामला रादुविवि कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेश कुमार वर्मा तक पहुंचा था जिसके बाद मामले की सूचना सिविल लाइन पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस पहुंची थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हथियार लहराने वाली युवती विश्वविद्यालय की छात्रा है या बाहरी।

कुलगुरू बोले पुलिस ले गई, टीआई ने कहा ओझल हो गई

युवती द्वारा हथियार निकालने के मामले में कुलगुरू और थाना प्रभारी के अलग-अलग बयान थे । रादुविवि कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवती प्रतिमा के पास कटर लेकर असामान्य व्यवहार कर रही है। प्रथम दृष्टया युवती मानसिक रूप से बीमार प्रतीत हो रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। कुलगुरु के अनुसार महिला पुलिस युवती को अपने साथ ले गई है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर सिविल लाइन थाना प्रभारी अनूप कुमार नामदेव का बयान कुलगुरु के बयान से अलग है। थाना प्रभारी ने बताया कि युवती द्वारा हथियार निकालने की सूचना मिली हुई थी, जिसके बाद तत्काल पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया। जब तक टीम वहां पहुंची, युवती वहां से जा चुकी थी। मौके पर युवती पुलिस को नहीं मिला। जिसके कारण मामला स्पष्ट नहीं हुआ।

रांझी संभाग के वार्डों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे निगमायुक्त

व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दिए निर्देश

नवभारत,जबलपुर। शहर की स्वच्छता और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार सुबह तड़के ही रांझी संभाग के विभिन्न वार्डों में निरीक्षण किया। उन्होंने गोकुलपुर तालाब, साकेत नगर, शोभापुर और उदय नगर जैसे क्षेत्रों का सघन दौरा कर सफाई व्यवस्था और चल रहे विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सफाई मित्रों की उपस्थिति जांची और नालियों की सफाई व कचरा कलेक्शन के कार्य को बारीकी से देखा। इस मौके पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी इलाकों में गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं गोकुलपुर तालाब के आसपास की स्वच्छता को लेकर उन्होंने अधिकारियों को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

जनता से किया सीधा संवाद

सफाई के साथ-साथ आयुक्त ने क्षेत्र में हो रहे अधोसंरचना विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उदय नगर और साकेत नगर में निर्माणाधीन सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के साथ समय सीमा में पूरे हों। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित वार्डों के अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों के त्वरित निराकरण कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर आयुक्त अरविंद शाह, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, पोला राव संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अनिल मिश्रा, अनिल विश्वकर्मा, सौरभ चौकसे, प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

3300 ने दिया गणित का पेपर, 30 रहे अनुपस्थित

बुधवार को 97 केंद्रों पर हुई बारहवीं की बोर्ड परीक्षा

नवभारत, जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा में बुधवार को गणित का पेपर था। यह पेपर 3300 विद्यार्थियों ने दिया जबकि 30 अनुपस्थित थे। सहायक संचालक आर के बधान से मिली जानकारी के अनुसार यह परीक्षा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में मिलाकर 97 केंद्रों में आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 3330

विद्यार्थी शामिल होने वाले थे, लेकिन 3300 विद्यार्थी ने ही गणित विषय की परीक्षा दी। जबकि 30 विद्यार्थी अनुपस्थित थे। इस परीक्षा में कोई भी नकल प्रकरण सामने नहीं आया है, सुबह से ही सभी कलेक्टर प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संबंधित थानों से पेपर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए गए, एवं सील बंद खोले गए।

उड़न दस्ते की टीम ने किया निरीक्षण-बोर्ड परीक्षा में नकल पकड़ने के लिए जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एक टीम का गठन किया गया था। जो सभी परीक्षा केंद्र में पहुंचकर आकस्मिक रूप से निरीक्षण कर रहे हैं और नियमित तौर से चल रहीं परीक्षाओं पर भी नजर रख रहे हैं। इसके अलावा नकल करने वालों के ऊपर भी इनकी पैनी नजर रहती है। बुधवार को भी गणित के पेपर में उड़न दस्ता की टीम ने विभिन्न केंद्र में जाकर निरीक्षण किया।

आज राजनीति शास्त्र का पेपर-बारहवीं कक्षा में आज गुरुवार को राजनीति शास्त्र विषय लेने वाले विद्यार्थियों का पेपर है। उल्लेखनीय है कि जिले में बारहवीं कक्षा के लगभग 19 हजार 134 विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं, लेकिन विषयानुसार इनकी संख्या अलग- अलग है।

शादी का झांसा देकर ननद की लूटी अस्मत

नवभारत, जबलपुर। बरगी थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवक नंनद की आबरू लूटता रहा। जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो वे अपने वादे से मुकर गया जिसे बाद पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई । पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। टीआई नीलेश दोहरे ने बताया कि 22 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके भाई की शादी करीब 4 साल पहले हिन्दू रीति रिवाज से रानी दुर्गावती समाधी पिपरिया खुर्द की रहने वाली युवती साथ हुई थी। भाई की ससूराल रानी दुर्गावती समाधी पिपरिया खुर्द होने से उसका वहां आना जाना होता था एवं भाई का साला अंकित बरकड़े पिता गौरीशंकर बरकड़े का भी इसके घर ग्राम धाधरा में आना जाना होता था जिसके चलते उसकी दोस्ती अंकित बरकड़े से उसके घर ग्राम धाधरा में हुई थी। इसके बाद अंकित बरकड़े ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया दोनों के बीच बातचीत होने लगी। अंकित ने शादी का प्रलोभन देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो वे वादे से मुकर गया। जिसके बाद अब पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया।

मावा-पनीर सहित मिठाई एवं नमकीन की जांच

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिए नमूने

नवभारत,जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने होली के दृष्टिगत शहर के प्रमुख मिठाई, मावा और नमकीन विक्रय प्रतिष्ठानों का बुधवार को निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर ही मावा, घी और पनीर जैसे दुग्ध उत्पादों का प्राथमिक परीक्षण किया, जिसमें यूरिया, डिटर्जेंट, स्टार्च या अनधिकृत शर्करा की उपस्थिति नहीं पाई गई। अधिकारियों ने व्यापारियों को मिठाई और नमकीन बनाने तथा संग्रहित करने की प्रक्रिया में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के स्वच्छता एवं सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए।

इन प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

निरीक्षण के दौरान रजवाड़ी स्वीट्स (रांझी) से गुझिया एवं मावा कतली, नर्मदा डेयरी से मावा और पनीर, राजस्थान मिष्ठान्न भण्डार (रामपुर) से नमकीन, बेस्ट बंगाल स्वीट्स से खोवा बर्फी एवं बेसन लड्डू, सत्यनारायण गुजराती नमकीन से नमकीन, ओम बीकानेर मिष्ठान्न भण्डार (कटंगी रोड) से खोवा एवं पतीशा, बालाजी स्वीट्स (सदर बाजार) से खोवा बर्फी एवं कलाकंद, कृष्णा स्वीट्स एण्ड नमकीन (तिलवारा) से मावा बर्फी एवं नारियल बर्फी तथा केक टेडर्स से नमकीन एवं केक के नमूने लिए गए।

समस्या बड़े चौराहे पर बनी गंभीर समस्या, यात्री असुरक्षित

क्या जायज है बस स्टॉप पर कारों की पार्किंग?

जबलपुर, नवभारत। शहर के व्यस्ततम और बड़े चौराहों में शामिल नोदरा ब्रिज मेट्रो बस स्टॉप पर लापरवाही सामने आई है। यहां समस्या केवल जाम की नहीं है, बल्कि बस स्टॉप पर निजी कारों की पार्किंग का है, जिसने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बस स्टॉप वह स्थान होता है जहां बसें नियमानुसार रुकती हैं और यात्री सुरक्षित तरीके से चढ़ते-उतरते हैं। लेकिन मौजूदा स्थिति में बसों के निर्धारित स्थान पर कारें खड़ी कर दी गई हैं।

जब बसें अपने निर्धारित स्थान पर नहीं रुक पातीं, तो उन्हें चौराहे के किनारे या बीच सड़क पर रुकना पड़ता है। इससे यात्रियों को चलती ट्रैफिक के बीच से बस तक पहुंचना पड़ता है। बुजुर्ग और महिलाएं विशेष रूप से असुरक्षित महसूस कर रही हैं इसके साथ ही स्कूली बच्चों को सड़क पार कर बस पकड़नी पड़ती है अचानक ब्रेक और मोड़ के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि संभावित हादसे को न्योता देने जैसी है।

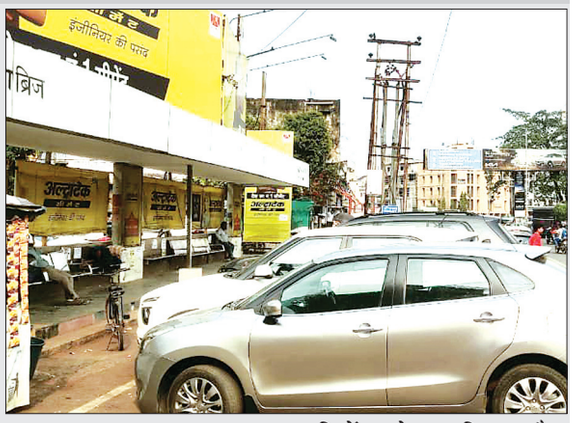

प्रशासन और संबंधित विभाग से सवाल

क्या बस स्टॉप क्षेत्र को स्पष्ट रूप से नो-पार्किंग ज़ोन घोषित किया गया है? यदि हां, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। इसके बाद क्या नियमित निगरानी और चालानी कार्रवाई की व्यवस्था नहीं की गई है। वही नागरिकों का कहना है कि बड़े चौराहे पर स्थित इस बस स्टॉप की संवेदनशीलता को देखते हुए यहां सख्त निगरानी आवश्यक है। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी जब यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित सुविधा मिले। प्रशासन और संबंधित विभाग को इस विषय पर गंभीरता दिखाते हुए तत्काल कदम उठाने चाहिए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

लोगो की मांग

- बस स्टॉप क्षेत्र में स्पष्ट पीली मार्किंग और बोर्ड लगाए जाएं।
- नियमित ट्रैफिक पुलिस की तैनाती हो।
- अवैध पार्किंग पर त्वरित चालान और वाहन हटाने की कार्रवाई की जाए।
- बसों के रुकने के लिए सुरक्षित और बाधारहित स्थान सुनिश्चित किया जाए।